RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार, 09 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 201 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ठाणे में 33 साल के युवक की गोली मारकर हत्या...!

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कथित तौर पर एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने 33 वर्षीय श्रमिक ठेकेदार को गोली मार दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि इस हादसे में उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे मजदूरों का ठेका प्रदान करने की प्रतिद्वंद्विता कारण होने का संदेह है। पुलिस ने कहा कि ठेकेदार गणेश कोकटे बुधवार शाम को अपनी कार से जा रहा था, तभी हमलावर ने ठाणे-भिवंडी मार्ग पर कशेली गांव के पास उन पर गोलीबारी कर दी। नारपोली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक मदन बल्लाल ने कहा कि स्थानीय पुलिस और उसके रिश्तेदार उसे एक निजी अस्पताल ले गए, जहां बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि मौके से फरार हुए हमलावर की पहचान कर ली गयी है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा कि श्रमिक ठेकेदार कोकटे के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस साल 18 सितंबर को कोकटे जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे थे, जब चार से पांच लोगों ने उन पर गोलियां चलाईं। उस समय भी वह अपनी कार में यात्रा कर रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया था।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडेय को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कथित फोन टैपिंग के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस प्रमुख संजय पांडेय को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने शर्तों के साथ जमानत दी है। ईडी ने इस साल सितंबर में 2009 और 2017 के बीच एनएसई कर्मचारियों के फोन टैपिंग से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी।

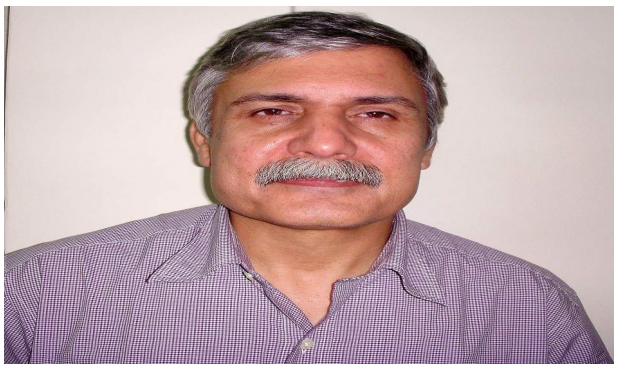

चार्जशीट एनएसई के पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण और रवि नारायण समेत मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त संजय पांडे के खिलाफ दायर की गई थी। चार्जशीट में कहा गया है, फोन टैपिंग में पैसों की हेराफेरी की गई। फोन टैपिंग में किए गए भुगतान अपराध की कथित आय हैं। ऐसी शेल कंपनियां थीं, जिनके जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की गई। ईडी ने दावा किया है कि पांडे को रामकृष्ण की मदद के लिए एमटीएनएल लाइनों को टैप करने के लिए 4.54 करोड़ रुपये मिले, और ये अपराध की आय थी।

एक एजेंसी के सूत्र ने कहा, पांडे आईसेक सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड चलाते थे। यह आरोप लगाया गया है कि रामकृष्ण ने एनएसई कर्मचारियों के फोन टैप करने के लिए इस फर्म का इस्तेमाल किया था। एनएसई कर्मचारियों द्वारा सुबह 9 बजे से 10 बजे के बीच किए गए फोन कॉल को आईसेक सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा टैप और रिकॉर्ड किया गया था। यह आरोप लगाया गया है कि पांडे ने अवैध रूप से फोन कॉल टैप करने में मदद की। रामकृष्ण और पांडे को एंटी मनी लॉन्ड्रिंग एजेंसी ने जुलाई में गिरफ़्तार किया था। पांडे ने कहा कि उसने फोन की लाइनें टैप कीं, लेकिन कुछ भी अवैध नहीं किया। टैपिंग के लिए सभी उपकरण एनएसई द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

नासिक में एसटी बस ने बाइक सवारों को कुचला, 6 की मौत...!

नासिक : महाराष्ट्र में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। नासिक-सिन्नर राजमार्ग पर तीन से चार बाइक सवारों को एक एसटी बस ने कुचल दिया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। हादसा बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुआ है ऐसा बताया जा रहा है। हादसे के तुरंत बाद बस में भीषण आग लग गई।

यह हादसा शिंदे पळसे गांव के पास हुआ। ब्रेक फेल होने से बस ने बाइक सवारों को कुचल दिया। इस हादसे के बाद बस में आग लग गई और यात्री चलती बस से कूद गए। बताया जा रहा है कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है और प्रारंभिक अनुमान है कि बस का ब्रेक फेल होने की वजह से यह हादसा हुआ है। फिलहाल यहां बचाव कार्य जारी है।

गुजरात विधानसभा चुनाव में बजा BJP का डंका!

गुजरात : गुजरात विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज कर ली है. गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 में इखढ ने 156 सीटों पर जीत दर्ज की है तो वहीं कांग्रेस को सिर्फ 17 सीटों पर ही जीत मिली है. इसके अलावा आम आदमी पार्टी को 5 सीटों पर ही जीत नसीब हुई है. भारतीय जनता पार्टी ने अभी तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई, गृह मंत्री अमित शाह की करिश्माई रणनीति और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के चेहरे को आगे रखकर भारतीय जनता पार्टी ने इस बार गुजरात में अभी तक सबसे बड़ी जीत हासिल की है। राज्य के 37 काउंटिंग सेंटरों में हो रही वोटों की गिनती अब लगभग अंतिम चरण में है। चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए हैं। जिसके अनुसार 182 विधानसभा सीटों वाले गुजरात में बीजेपी ने 156 सीटों पर जीत हासिल की है। 17 सीटों पर जीत के साथ कांग्रेस दूसरे जबकि पांच सीटों पर जीत के साथ आम आदमी पार्टी तीसरे स्थान पर है। गुजरात चुनाव के नरीजों के बीच मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने पीसी कर यह बताया कि गुजरात में 12 दिसंबर को शपथ ग्रहण होगा।

साथ ही गुजरात चुनाव में मजबूती के साथ मैदान में उतरी आम आदमी पार्टी के 5 उम्मीदवार चुनाव जीतने में कामयाब रहे। इस बार मुस्लिम बहुल इलाकों में भी बीजेपी ने दूसरे उम्मीदवारों को पछाड़ा। गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार केवल एक मुस्लिम उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस के एक मात्र मुस्लिम उम्मीदवार इमरान खेड़ावाला इस बार चुनाव जीतने में कामयाब हुए हैं। गुजरात की जिन एक दर्जन सीटों को मुस्लिम बहुल माना जाता है उसमें बापूनगर, अब्दासा, दानी लिंबड़ा, भुज, सूरत पूर्व, जमालपुर खड़िया शामिल है। जमालपुर खड़िया सीट से कांग्रेस उम्मीदवार इमरान खेड़ावाला चुनाव जीते हैं। जमालपुर खड़िया गुजरात की चर्चित सीटों में से एक है यहां से इमरान खेड़ावाला ने बीजेपी उम्मीदवार भूषण भट को 13 हजार से अधिक वोटों से हराया। वह इस बार विधानसभा पहुंचने वाले इकलौते मुस्लिम विधायक होंगे।

गुजरात में करीब 11 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं और एक दर्जन सीटों पर यह निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। साथ ही 182 सदस्यीय गुजरात में 30 सीटें ऐसी थीं जहां मुस्लिम आबादी 15 फीसदी से अधिक है। इस बार चुनाव में कांग्रेस, अअढ और औवैसी की पार्टी की ओर से मुस्लिम कैंडिडेट उतारे गए थे। वहीं बीजेपी की ओर से कोई भी मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में नहीं था। गुजरात चुनाव में कांग्रेस की ओर से इस बार 6 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया गया था। वहीं आम आदमी पार्टी ने तीन मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे। बीजेपी की ओर से कोई भी मुस्लिम कैंडिडेट मैदान में नहीं उतारा गया। वहीं ओवैसी की पार्टी की ओर से भी कई मुस्लिम कैंडिडेट मैदान में थे। 2017 के चुनाव में कांग्रेस की ओर से 3 मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

छोटी सरकार...

आखिरकार एमसीडी चुनाव में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पर भरोसा जता दिया। जिस डबल इंजन के मंत्र पर राज्यों में भाजपा वोट मांगती रही थी, उसी डबल इंजन सरकार के अस्त्र से आप ने भाजपा को शिकस्त दे दी। इस चुनाव में ऐसी 'झाड़ू' चली कि न केवल पंद्रह साल से एमसीडी पर काबिज भाजपा साफ हुई बल्कि कांग्रेस भी दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच सकी। हालांकि, इस चुनाव में भाजपा ने पूरी जान लगा दी थी। पिछले दिनों तीन नगर निगमों को मिलाकर एक किया गया। जिससे कुछ सीटें भी कम हुई और चुनाव भी छह महीने देर से हो पाये। इतना ही नहीं, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री लगातार जनता को भरोसा दिलाने की कोशिश करते रहे। उन्होंने धुआंधार रैलियां, रोड शो व नुक्कड़ सभाएं की, लेकिन छोटी सरकार बनाने लायक बहुमत नहीं मिल पाया। अपनी तरफ से भाजपा ने भरपूर प्रयास किये लेकिन पार्टी पार्षदों का आंकड़ा 104 तक ही पहुंच पाया। वहीं आप ने 134 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। आम आदमी पार्टी का यह दूसरा एमसीडी चुनाव था। पिछले चुनाव में वह कांग्रेस को पीछे छोड़कर भाजपा की प्रतिद्वंद्वी बनी। इस बार भाजपा को सत्ता सुख से वंचित कर दिया। इस चुनाव में उसका वोट प्रतिशत भी चालीस पार चला गया। लोगों ने राज्य व एमसीडी में आप की डबल इंजन सरकार पर भरोसा जताया। भाजपा जहां नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय मुद्दों पर चुनाव लड़ती रही, वहीं आप ने दिल्ली के स्थानीय मुद्दों को तरजीह दी। आप ने भांप लिया कि जनता सफाई, कूड़े के ढेर और सस्ते-बिजली पानी के मुद्दों को प्राथमिकता देती है। केजरीवाल ने स्थानीय मुद्दों पर चुनाव लड़ा और कामयाबी पाई। यह बात ठीक है कि पंद्रह साल से एमसीडी में राज कर रही भाजपा के खिलाफ मोहभंग का कारक भी काम कर रहा था, जिसकी कीमत पार्टी ने इस चुनाव में चुकाई।

दरअसल, एमसीडी चुनाव में केजरीवाल का साफ-सफाई का वायदा काम कर गया। वहीं जनता ने भाजपा के नकारात्मक प्रचार को भी पसंद नहीं किया। आप ने चुनाव में कूड़े को बड़ा मुद्दा बनाते हुए भाजपा की तरीके से घेराबंदी की। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि पार्टी दिल्ली की प्रतिष्ठा पर दाग बने गाजीपुर व अन्य लैंडफिल साइट्स पर बने कूड़े के पहाड़ों का निस्तारण करेगी। चतुर सुजान केजरीवाल को अहसास था कि लोगों में सफाई को लेकर रोष है, जिसे वोटों में तब्दील किया जा सकता है। जिसे भाजपा समर्थक भी महसूस कर रहे थे। मुफ्त-बिजली पानी के सदाबहार मुद्दे भी आप का एक चुनावी अस्त्र रहा है, जिसका असर भी चुनाव में दिखा। जिसके चलते मतदाताओं ने दिल्ली की छोटी सरकार के लिये आप को जमकर वोट दिया। जिसे दिल्ली के लोगों के लोकसभा, विधानसभा व एमसीडी में अलग वोट पैटर्न से हटकर नये बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। जो भाजपा के लिये खतरे की घंटी भी कही जा सकती है। कह सकते हैं कि भाजपा का तीनों एमसीडी को एक करने का दांव भी विफल रहा है। वहीं गुजरात चुनाव में आप की सक्रियता रोकने के लिये इसी दौरान दिल्ली एमसीडी के चुनाव कराने का केंद्र सरकार का पैंतरा भी काम नहीं आया। वहीं चुनाव में भाजपा का चार पसमांदा मुस्लिमों को टिकट देने का दांव भी नहीं चला। जबकि आप को मुस्लिम मतदाताओं का बंपर वोट मिलने की बात कही जा रही है। इन वोटरों की प्राथमिकता हमेशा ही भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ खड़े मजबूत पार्टी प्रत्याशी को वोट देने की रही है। आप ने भाजपा के उन इलाकों में भी सेंध लगाई जिन्हें भाजपा के मजबूत गढ़ माना जाता था। पश्चिमी दिल्ली के कई इलाकों में आप ने बढ़त बनायी, जहां भाजपा का दबदबा हुआ करता था। वहीं कुछ भाजपा नेताओं का यह कहना कि मेयर हमारा ही बनेगा आप की चिंता बढ़ा रहा है कि कहीं चंडीगढ़ जैसी घटनाक्रम की पुनरावर्त्ति न हो जाए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

केंद्र सरकार और उद्योगपतियों के इशारे पर कर्नाटक में खुराफात - नाना पटोले

मुंबई : कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और उद्योगपतियों के इशारे पर कर्नाटक में खुराफात की जा रही है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र को तोड़ने की साजिश रची है।

कांग्रेस पार्टी के कार्यालय तिलक भवन में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कल नाना पटोले ने कहा कि सीमावर्ती इलाके में भाजपा की कर्नाटक सरकार जान-बूझकर माहौल खराब कर रही है। मराठी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है और उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। महाराष्ट्र की जनता कर्नाटक की दबंगई बर्दाश्त नहीं करेगी, इसका परिणाम कर्नाटक और केंद्र सरकार को भुगतना पड़ेगा। दरअसल दो राज्यों में विवाद पैदा होने के बाद केंद्र सरकार को दखल देनी चाहिए और सौहार्दपूर्ण तरीके से उसका समाधान निकालना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बोम्मई आए दिन भड़काऊ बयान दे रहे हैं लेकिन महाराष्ट्र सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आ रही है। महाराष्ट्र में सरकार है या नहीं।

नाना पटोले ने आरोप लगाया कि धारावी पुनर्वास परियोजना के लिए भाजपा सरकार ने पांच हजार करोड़ रुपए में सैकड़ों एकड़ जमीन एक उद्योगपति के गले में डाल दी है। इसके लिए कौन-सी टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई। इतनी बेशकीमती जमीन किस आधार पर दी गई? राज्य और केंद्र सरकार ने इस प्रक्रिया को अचानक वैठसे अंजाम दिया? धारावी पुनर्वास परियोजना के लिए दुबई की सी-लिंक द्वारा ७,५०० करोड़ रुपए की निविदा प्रस्तुत की गई थी लेकिन बाद में सरकार द्वारा रद्द कर दी गई। महाराष्ट्र सरकार ने रेलवे की जमीन के लिए ७०० करोड़ रुपए का भुगतान किया था लेकिन उस समय रेलवे ने महाराष्ट्र सरकार को जमीन नहीं दी। इस मुद्दे पर शिंदे-फडणवीस सरकार से शीतकालीन सत्र में जवाब मांगा जाएगा।

एसटी महामंडल सहित निजी बस ऑपरेटरों ने सेवाएं की रद्द...

मुंबई : सीमावर्ती गांवों को लेकर महाराष्ट्र, कर्नाटक के बीच सीमा विवाद चल रहा है। इससे दोनों राज्यों की परिवहन सेवा बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसके मद्देनजर एसटी महामंडल सहित निजी बस ऑपरेटरों ने अपनी सेवाएं रद्द कर दी हैं। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने बुधवार को सुबह ये निर्णय लिया। वाहनों के बंद होने से दोनों राज्यों के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्री बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, इसके अलावा वाणिज्यिक सामान, खाद्य पदार्थ आदि सहित सभी प्रकार की सामग्रियों के परिवहन और आपूर्ति को महाराष्ट्र से कर्नाटक और कर्नाटक से महाराष्ट्र तक रोक दिया गया है।

मनपा ५ हजार स्वच्छता दूत नियुक्त करेगी

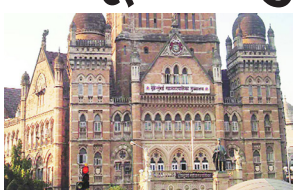

मुंबई : महानगर मुंबई को स्वच्छ बनाने के लिए मनपा सतत प्रयास करती रहती है। गार्डन, समुद्र तट, सड़क, गलियां, सभी जगह मनपा के लोग साफ-सफाई करते हैं। लेकिन मुंबई की सफाई पर अब अधिक बल दिया जाएगा। इसके लिए मनपा ५ हजार स्वच्छता दूत नियुक्त करेगी, जो मनपा के स्वच्छता अभियान को सफल बनाएंगे। दरअसल जी-२० की पहली बैठक मुंबई में आयोजित होगी। यहां कई देशों के प्रतिनिधि उपस्थित होंगे इसीलिए मनपा मुंबई की सुंदरता को चार चांद लगाने के लिए स्वच्छता के लिए विशेष योजना बनाकर काम करेगी।

अधिकारियों के अनुसार यह मुंबई के लिए सौभाग्य की बात है कि जी-२० जैसी महत्वपूर्ण सम्मेलन की बैठक के लिए मुंबई को चुना गया है। इसीलिए मुंबई को चमकाने और इसकी ब्रांडिंग के लिए मनपा ने जोर-शोर में काम शुरू किया है। इसके तहत मुंबई की सुंदरता में बदलाव लाने के लिए कई प्रकार से प्रयास किए जाएंगे। कई महत्वपूर्ण इमारतों को रोशनी से सराबोर किया जाएगा तो रास्ते, सड़कों, चौक को चकाचक किया जाएगा। इनकी साफ- सफाई के साथ पेंटिंग कर नया लुक दिया जाएगा। समुद्र किनारों पर साफ-सफाई के साथ लेजर लाइट शो शुरू किया जाएगा। पुलों की सफाई के साथ पेंटिंग की जाएगी। सड़कों के किनारे सुरक्षा के लिहाज से बनाई गई पट्टियों को भी पेंट किया जाएगा। गार्डन, डिवाइडर, चौक को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाएगा। हाइवे व सड़कों पर ट्रैफिक कम करने के लिए सुरक्षा रक्षक तैनात किए जाएंगे। पुलिस कर्मचारियों की फेरी बढ़ाई जाएगी। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इस संदर्भ में अधिकारियों की हाल ही में बैठक ली। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त आशीष शर्मा को इसकी प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से निर्देश के बाद मनपा ने मुंबई की स्वच्छता पर पूरा जोर दिया है। मनपा के अनुसार एक महीने में मुंबई की सुंदरता को नए रूप में लाने की चुनौती पर काम शुरू किया गया है।

बद्री से बढ़ती नजदीकियों के कारण आफताब ने श्रद्धा को मौत के घाट उतारा!

मुंबई : सनसनीखेज श्रद्धा वालकर मर्डर केस में पुलिस की उलझने खत्म ही नहीं हो रही हैं। एक तरफ कत्ल की जांच कर रही दिल्ली पुलिस श्रद्धा का सिर और शरीर के कई अंग अभी भी ढूंढ़ नहीं पाई है, तो वहीं श्रद्धा व लिव-इन पार्टनर और कातिल आफताब पूनावाला गूनाह कबूल करने के बाद भी पुलिस को ये कहकर मुंह चिढ़ाता है कि दम है तो शरीर के टुकड़े और औजार बरामद करके दिखाओ। इसी बीच दिल्ली पुलिस को पता चला है कि बद्री से बढ़ती नजदीकियों के कारण आफताब ने श्रद्धा को मौत के घाट उतारा था। बताया जा रहा है कि आफताब के बुरे बर्ताव से आहत श्रद्धा उससे दूर होने की तैयारी कर रही थीं। उसी दौरान दिल्ली पहुंचने पर श्रद्धा की बद्री के साथ नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। इसे देखकर आफताब डर गया था। उसे लगा कि श्रद्धा कभी भी अपने साथ होने वाली मारपीट की बातें बद्री को बता सकती है या फिर वह बद्री के साथ पुलिस के पास जाकर शिकायत कर सकती है। इसी बात को लेकर एक दिन बद्री के फ्लैट पर श्रद्धा और आफताब के बीच मारपीट भी हुई। उसी दिन जब श्रद्धा छत पर बैठी थी तो आफताब ने उसकी हत्या का प्लान बना लिया। इसी दौरान उसने यह भी तय कर लिया कि वह शव को छतरपुर के जंगलों में ठिकाने लगा देगा। यह खुलासा दिल्ली पुलिस की ओर से गठित एसआईटी की जांच में हुआ है। पुलिस ने आफताब और श्रद्धा के कॉमन दोस्त बद्री से पूछताछ करने के बाद मजिस्ट्रेट के सामने सीआरपीसी की धारा १६४ के तहत कलमबंद बयान दर्ज कराए हैं। इसमें बद्री ने आफताब और श्रद्धा के बीच की पूरी कहानी बताई है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि बद्री की आफताब और श्रद्धा से पहली मुलाकात हाल ही में हिमाचल भ्रमण के दौरान हुई थी।

कैग जांच में कोविड के दौरान हुए खर्च की जांच पर मनपा आयुक्त ने लगाई रोक...

कांग्रेस क्या आरोप राज्य सरकार के आदेशों की अवहेलना

मुंबई : मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने कैग जांच में कोरोना काल में हुए खर्च की जांच ना करने का निर्देश दिया है।मनपा आयुक्त ने अपने अधिकारियो को निर्देश दिया है कि कैग जांच में कोरोना काल में हुए खर्च की जानकारी भी नही देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कोरोना काल में हुए उल जलूल खर्च में बड़े पैमाने पर घोटाला होने की आशंका जताते हुए मुंबई में मनपा द्वारा कोरोना काल के दौरान दो सालो के दौरान हुए कामों जिन पर 1200 करोड़ का खर्च हुआ था उसकी जांच कैग से कराने का निर्देश दिया था। बता दे कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई मनपा द्वारा पिछले दो सालो के दौरान किए गए खर्च की जांच कैग से कराने का निर्देश दिया था। जिसके आधार पर कैग की टीम मुंबई मनपा में कागजातो को इकठ्ठा करने के लिए 22 नंवबर को मनपा आयुक्त के साथ बैठक की। इस बैठक में मनपा आयुक्त ने कोविड 19 पर किए गए खर्च की जांच में सहायता करने से इंकार कर दिया है।मनपा आयुक्त ने कहा कि कोविड काल में किया गया खर्च पेंडमिक नियम के तहत खर्च किया गया जिसमे किसी भी काम को करने के लिए टेंडर निकालना जरूरी नहीं था। कोरोना काल में लोगो को किस तरह सुविधा उपलब्ध कराई जाए इस पर ध्यान दिया गया न कि टेंडर करना जरूरी था।मनपा आयुक्त का

मानना है कि कोरोना काल में लोग सामान सप्लाई करने के लिए आगे नहीं आ रहे थे किसी तरह लोगो को समझा बुझाकर आगे लाया गया और लोगो को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई गई।मनपा आयुक्त ने कैग अधिकारियो को कहा कि जांच में कोरोना काल में हुए कामों की जांच करने के लिए राज्य सरकार से विशेष अनुमति लेंगे की इस जांच में कोरोना काल में किए गए कामों को न जोड़ा जाए।

मनसे नेता संदीप देशपांडे ने गुरुवार को पत्रकार सम्मेलन आयोजित कर मनपा आयुक्त के इस निर्णय का विरोध किया है। संदीप देशपांडे ने आरोप लगाया कि मनपा में पिछले दो सालो के दौरान घोटाले की पूरी तूती बोलती रही । मनपा के अधिकारी से लेकर उस समय रही सत्ताधारी ने मिलकर मुंबई की गरीब जनता के टैक्स का पैसा को खूब लूटा है जिसमे मनपा अधिकारी और सत्ताधारी ने मिलकर अपने लोगो को काम दिया और जमकर घोटाला किया।देशपांडे ने कहा अगर इसमें घोटाला नहीं है तो मनपा आयुक्त जाँच से क्यों डर रहे हैं? यह जांच होनी चाहिए। यह करदाताओं का पैसा है। देशपांडे ने आगे कहा, ''इसका हिसाब होना चाहिए।'' ब्रिटिश शासन के दौरान मनपा का कानून बना था यह कानून 100 साल पुराना है। अब हम स्वतंत्र हैं।इसलिए करदाताओं को अपने पैसे का हिसाब मिलना चाहिए।कांग्रेस का आरोप मनपा आयुक्त राज्य सरकार से बढ़कर नहीं कांग्रेस नेता और मनपा के पूर्व विरोधी पक्ष नेता रविराजा ने कहा की मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इस तरह का निर्णय लिया है तो यह राज्य कि सरकार के आदेशों की अव्हेलना है।रविराजा ने कहा कि पेंडमिक का सहारा लेकर घोटाला किया गया। यह सहन नही किया जा सकता।मनपा आयुक्त ने कोरोना काल में लोगो को सुविधा देने के लिए टेंडर नही निकाला जा सकता था लेकिन कोटेशन तो जरूर निकाला जा सकता था। मनपा आयुक्त राज्य सरकार से तो बढ़कर नही है।आयुक्त को कैग से जांच करानी ही चहिए जिससे हमारे द्वारा पिछले दो सालो में लगाए गए आरोपों का दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ सके।

2 करोड़ की आबादी वाले मुंबई के कितने लोगों को शिकार बना चुके हैं साइबर क्रिमिनल्स?

मुंबई : यह आंकड़ा चौंकता है। मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने इस साल सितंबर तक 3,668 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से 1,073 मामले ऑनलाइन या क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी के हैं।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 3,668 मामलों में से 214 को सुलझा लिया गया और 334 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अश्लील ईमेल MMS पोस्ट के मामले भी बढ़े

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ह्लवर्तमान में मुंबई की आबादी दो करोड़ से अधिक है और साइबर अपराध से जुड़े मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं।इसलिए, कांस्टेबलों सहित 220 पुलिसकर्मियों को ऐसे मामलों से निपटने के लिए ट्रेंड किया जा रहा है।'' पुलिस अधिकारी के अनुसार कुल मामलों में से 299 अश्लील ईमेल या एमएमएस पोस्ट से संबंधित मिले, जिसमें 94 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। फेक सोशल मीडिया प्रोफाइल या ई-मेल मॉर्फिंग के लिए 108 मामले दर्ज किए गए और 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया। क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित 1,073 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा धोखाधड़ी के 1,141 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 41 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। कंप्यूटर सोर्स कोड से छेड़छाड़ के सात मामले, फिशिंग या स्पूफिंग मेल के 31 मामले, पोर्नोग्राफी के 22 मामले, हैकिंग के 46 मामले, गिफ्ट फ्रॉड के 66 और खरीद फरोख्त के 154 मामले दर्ज किए गए थे। जॉब फ्रॉड के 85 मामले, 16 बीमा धोखाधड़ी, चार एडमिशन फ्रॉड, 47 फर्जी वेबसाइट, 27 मेट्रीमोनियल फ्रॉड, 16 क्रिप्टो करेंसी धोखाधड़ी, 96 लोन फ्रॉड, 143 डेटा चोरी, 65 सेक्सटॉर्शन सहित अन्य मामले साइबर द्वारा दर्ज किए गए थे।

पिछले दिनों जॉब फ्रॉड में पकड़े गए थे विदेशी

पिछले दिनों मुंबई पुलिस के साइबर शाखा ने 4 ऐसे आरोपियों को पकड़ा था, जो लोगों के साथ जॉब फ्रॉड करते थे। ये चारों अभियुक्त अलग-अलग देश के हैं। एक अभियुक्त जाम्बिया, दो महिला अभियुक्त यूगांडा और नामीबिया और चौथा अभियुक्त घाना से है। पुणे साइबर ऊढ बालसिंग राजपूत ने बताया कि ये लोगों को वर जाने के लिए वीजा और वहां नौकरी देने के लिए पैसा मांगते थे। इस केस के फरियादी से इन्होंने 26 लाख रुपए लिए थे। ये दूसरे के नाम के बैंक खाते, मेल आईडी और नंबर का इस्तेमाल करते थे। ये 2 लाख लोगों के साथ जॉब फ्रॉड और 1 लाख से अधिक लोगों से अलग तरीके से धोखाधड़ी करने वाले थे। इन्हें 22 तारीख को पुणे से पकड़ा गया है और अभी पुलिस हिरासत में हैं। DCP ने कहा-''हमें पता चला है कि इन्होंने और जगहों पर भी धोखाधड़ी की है, हम पता लगा रहे हैं।''

आरबीआई का झटका!

महंगे कर दिए कार, होम, पर्सनल लोन!

मुंबई : महंगाई से जूझते आम आदमी को एक बार फिर 'आरबीआई' ने झटका दिया है। उसने कल रेपो रेट ०.३५ फीसदी बढ़ा दिया, जिससे लोन महंगा हो गया। असल में बैंक जिस ब्याज पर कर्ज लेकर ग्राहकों को लोन देने हैं, उसे रेपो रेट कहा जाता है और इसे आरबीआई फिक्स करती है। रेपो रेट बढ़ने से अब बैंकों को कर्ज लेना महंगा हो गया। जब बैंक को खुद कर्ज लेना महंगा हो गया तो उसने भी अपने ग्राहकों का ब्याज बढ़ा दिया जिससे लोन महंगा हो जाता है। ऐसे में जिन लोगों ने कार, होम और पर्सनल लोन लिए हैं अब उस लोन का ब्याज बढ़ने के साथ वह लोन महंगा हो जाएगा।

जानकारों के अनुसार आरबीआई के रेपो दर में वृद्धि से होम लोन की ब्याज दरों में वृद्धि से मकानों की मांग पर भी असर पड़ेगा। रियल एस्टेट कंपनियों का कहना है कि कर्ज महंगा होने से मकानों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

रियल्टी क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन पटोदिया ने मीडिया से कहा कि रेपो दरों में वृद्धि का घर खरीदारों समेत अंतिम

उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ता है क्योंकि बैंक इस वृद्धि का भार अंततः ग्राहकों पर ही डालेंगे और कुछ ही समय में इसका मांग पर असर पड़ सकता है। संपत्ति परामर्शदाता एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने आवास बिक्री पर कुछ असर पड़ने की आशंका जताते हुए कहा कि रेपो दर में वृद्धि का होम लोन की ब्याज दरों पर निश्चित ही असर पड़ेगा। ब्याज दर जब तक एकल अंक में रहती है, तब तक आवास पर इसका असर नरम ही रहेगा। क्रेडाई (एनसीआर) के अध्यक्ष मनोज गौड़ ने कहा कि मौजूदा रेपो दर में ०.३५ फीसदी की बढ़ोतरी रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए उत्साहजनक नहीं है। इस साल मई के बाद से यह पांचवीं वृद्धि है और इन ८ महीनों में ही २.२५ फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस लगातार बढ़ोतरी से क्षेत्र को निश्चित रूप से नुकसान होगा। हमें पूरी उम्मीद है कि यह दरों में आखिरी वृद्धि होगी, अन्यथा इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ संजय दत्त ने कहा कि आरबीआई के इस कदम का आवास ऋण की ब्याज दरों पर असर पड़ेगा।

बालासाहेब थोरात ने किया विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय का उद्घाटन

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री बालासाहेब थोरात ने कल मुंबई प्रदेश यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष तथा बांद्रा पूर्व खेरवाड़ी के विधायक जीशान बाबा सिद्दीकी के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बालासाहेब थोरात ने कहा कि जीशान सिद्दीकी ने जिस तरह से कोविड के दौरान अपने इलाके के लोगों के साथ साथ पूरे महाराष्ट्र के लिए जिस तरह से सराहनीय काम किया वैसा काम मुझे लगता है कि महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में किसी विधायक ने नहीं किया । अपने इलाके के लोगों के लिए रात दिन गली गली में घूम कर, आम जनता तक राशन पानी के साथ साथ हर घरों तक ऑक्सीजन मशीन मुहैया कराकर अपनी जनता को महफूज रखने में जीशान सिद्दीकी , जिस तरह से कामयाब हुए उसके लिए हम इन्हें तहे दिल से बधाई देते हैं । ऐसे लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने में गर्व महसूस होता है। उद्घाटन के मौके पर इन्होंने उद्घाटन के लिए मुझे आमंत्रित किया, इसके लिए मैं इनका और इनकी पूरे टीम का आभारी हूं। इस मौके पर पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के अलावा कांग्रेस के पदाधिकारी तथा भारी संख्या में बांद्रा पूर्व विधान सभा के लोग उपस्थित रहे।

कर्नाटक सीमा विवाद पर महाराष्ट्र के गठबंधनों में तनातनी बढ़ी

BJP कांग्रेस के लिए कम नहीं हैं चुनौतियां

मुंबई : महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद ने महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ और विपक्षी गठबंधनों के बीच तनातनी बढ़ा दी है. दोनों ही गठजोड़ यह दिखाने की होड़ में लगे हैं कि उन्हें दूसरे की तुलना में इस मामले की कितनी ज्यादा परवाह है, और इन सबके बीच गठबंधनों में शामिल दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के लिए चुनौतियां और बढ़ गई हैं. महाराष्ट्र की सीमा और बेलगाम (बेलगावी) शहर के 814 गांवों को महाराष्ट्र में शामिल करने की मांग को लेकर एक लंबे समय में विवाद चलता आ रहा है. एक बड़ी मराठी भाषी आबादी वाले ये इलाके अभी कर्नाटक का हिस्सा हैं.

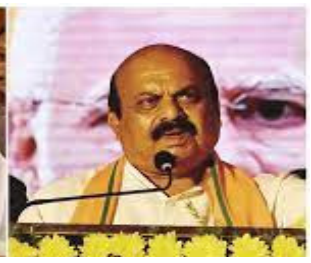

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)–जो दोनों दल कांग्रेस के साथ महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा हैं–के सदस्यों ने बुधवार को पूरे महाराष्ट्र में आंदोलन किया, कर्नाटक से आने-जाने वाली बसों पर गुस्सा उतारा गया. उद्धव ठाकरे की शिवसेना और एनसीपी दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने लोकसभा में भी यह मुद्दा उठाया. दूसरी तरफ, महाराष्ट्र भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेबंची शिवसेना के नेताओं का दावा है कि उन्होंने बुधवार को इस मुद्दे को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष उठाया और इस बात पर जोर दिया कि वे इसका समाधान चाहते हैं. न कि 'विपक्ष की तरह इसका राजनीतिकरण करना.'

महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ और विपक्षी गठबंधनों के बीच इस मामले में जहां तनातनी चल रही है, वहीं दोनों तरफ के राष्ट्रीय दल भाजपा और कांग्रेस संतुलन साधने की कोशिश में जुटे, जिन्हें 2023 में कर्नाटक में विधानसभा चुनाव का सामना करना है. भाजपा नेता सुप्रीम कोर्ट के जरिये एक त्वरित कानूनी समाधान की बात कर रहे हैं, जहां मामला विचारधीन है. वहीं. कांग्रेस ने दोनों राज्यों में इस मुद्दे को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शनों के लिए भाजपा को घेरा है.

महाराष्ट्र में कांग्रेस 1999 से 2014 तक एनसीपी के साथ गठबंधन में सत्ता में थी. कांग्रेस-एनसीपी शासनकाल के दौरान ही 2004 में महाराष्ट्र ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए शीर्ष अदालत का रुख किया था. राजनीतिक विश्लेषक हेमंत देसाई ने दिप्रिंट को बताया, 'भाजपा अब वही बातें कह रही है जो कांग्रेस महाराष्ट्र की सत्ता में रहने के दौरान कहा करती थी और सीमा का मुद्दा समय-समय पर भड़कता रहता था.' उन्होंने कहा, 'जब कांग्रेस सत्ता में थी और सीमा विवाद को लेकर कभी-कभी तनाव होता था, तो भाजपा कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूछती थी कि केंद्र में अपनी सरकार होने के बावजूद वह इस मुद्दे का समाधान क्यों नहीं निकाल रही है. लेकिन अब स्थिति उलट गई है.'

चर्नी रोड में खड़ा पादचारी पुल जान के लिए बन सकता है खतरा!

चार साल से बंद पड़ा है ब्रिज, गिरने पर हो सकती है बड़ी दुर्घटना

मुंबई : सी एस टी एम के पास गिरे हिमालय ब्रिज में 7 लोगो की जान चली गई थी । सुदैव से जिस समय ब्रिज गिरा सिग्नल बंद था जिसके चलते वाहनों का आवागमन नहीं हो रहा था ।जिससे कई घायलों की जान बच गई ।इसी तरह चर्नी रोड स्थित पटेल ब्रिज भी अपनी आखिरी सांस ले रहा है ।ब्रिज बंद होकर 4 साल बीत गए लेकिन ब्रिज को अभी तक तोड़ा नही गया । ब्रिज गिर गया तो बड़ी दुर्घटना घट सकती है। ब्रिज को तोड़कर निर्माण किए जाने की फाइल मनपा अधिकारियों की केबिन में पड़ी होने की जानकारी सामने आई है।

उल्लेखनीय है कि क्वीन नेकलेस से मशहूर गिरगांव चौपाटी पर रोजाना हजारों की संख्या में देशी और विदेशी सैलानी आते है ।छुट्टी के दिनों में तो

सैलानियों की संख्या लाख तक चली जाती है। चर्नी रोड़ परिसर में हाई राइज इमारतों की भरमार है। मंत्रालय और राजभवन जाने के लिए इसी मार्ग का उपयोग किया जाता है। चर्नी रोड चौपाटी पर बड़ी संख्या में लोग मॉर्निंग वाक के लिए भी जाते है । चर्नी रोड पश्चिम की ओर गिरगांव चौपाटी की ओर जाने ने के लिए बना ब्रिज पिछले चार साल से बंद पड़ा हुआ है । स्थानीय लोगो का आरोप है कि मनपा प्रशासन लोगो की जान जाने का इंतजार कर रही है क्या इस तरह का सवाल खड़ा किया ।शनिवार और रविवार को गिरगांव चौपाटी पर लाखो की संख्या आते है। चौपाटी पर आने वाले सैलानी सरदार वल्लभभाई पटेल मार्ग के पास सड़क पार बड़े पैमाने पर ट्रैफिक की समस्या खड़ी होती है ।पर्यटक इसी स्थान से टैक्सी भी पकड़ते है जिसके चलते बड़ी संख्या में टैक्सियां भी यहाँ खड़ी रहती है। ब्रिज के गिरने से बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। जिसके चलते स्थानीय नागरिक मांग कर रहे हैं कि इस पुल को जल्द तोड़कर निर्माण किया जाए और कहा जा रहा है कि इस पैदल चलने वाले ब्रिज का निर्माण किया गया तो बड़ी संख्या में समस्या दूर होगी और लोगो की जान भी बच सकती है।

गोरेगांव में 1600 रुपए में फर्जी आधार और पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़... 1 गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के गोरेगांव में 1100 रुपये में फर्जी आधार कार्ड और 500 रुपये में फर्जी पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गोरेगांव पुलिस ने बताया कि फर्जी आधार, पैन कार्ड केंद्र का भंडाफोड़ करते हुए 42 वर्षीय एक आरोपी को रंगेहाथ पकड़ा गया है। पुलिस ने कहा, आरोपी की पहचान अरुगेशकुमार मिश्रा (42) के रूप में हुई है। आरोपी कथित तौर पर पहले फर्जी आधार कार्ड बनाता था, फिर उसकी मदद से ओरिजिनल पैन कार्ड बनाता था। पुलिस ने उसके पास से करीब 30 आधार कार्ड और 7 पैन कार्ड भी जब्त किए हैं।

एक अधिकारी ने कहा, ''मिश्रा कई वर्षों से गोरेगांव पश्चिम के प्रेम नगर इलाके में एक सेंटर चला रहा था। हमें जानकारी मिली थी कि वह लोगों से पैसे वसूल कर फर्जी दस्तावेज बनाने के काम में लिप्त है।'' जिसके बाद मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई और सबूत मिलने पर पुलिस टीम ने रविवार को सेंटर पर छापा मारा। अधिकारी ने बताया, ''पुलिस ने एक डमी ग्राहक को पैन कार्ड बनवाने के लिए सेंटर पर भेजा, आरोपी ने 1000 रुपये लिए और फॉर्म भर दिया।

फिर उसने दस दिन में कार्ड ले जाने के लिए कहा।'' पुलिस ने सेंटर पर छापा मारा और तलाशी के दौरान फर्जी आधार कार्ड, अलग-अलग नाम के पैन कार्ड और डमी ग्राहक का फॉर्म जब्त किया। अधिकारियों ने जब जब्त किए गए आधार कार्डों के साथ दर्ज नंबरों पर कॉल किया तो पता चला कि ज्यादातर नंबर फर्जी थे। मिश्रा पर आईपीसी की धारा 420, 465, 466, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने उसे पुलिस हिरासत में भेजा है। अधिकारी ने बताया कि हमें संदेह है कि ऑनलाइन ठगी करने वाले लोग बैंक अकाउंट खोलने के लिए ऐसे ही फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करते हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com